संक्षिप्त समाचार

श्रमिकों ने प्रदेश व बिहार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जाम लगाया

संवाददाता देहरादून। प्रदेश की स्थाई राजधानी देहरादून में सुबह बड़ी संख्या में बिहार के श्रमिक देहरादून–हरिद्वार मार्ग इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने प्रदेश सरकार व बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। आज देहरादून हरिद्वार रोड पर सुबह बिहार के श्रमिक इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया तथा जाम लगाकर अपना विरोध दर्ज किया। इस दौरान कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उनको तितर बितर कर दिया।

कोरोना योद्धाओं को फूल व रूपयों की मालायें पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड श्रम कांग्रेस एवं नालापानी हर्चावाला के क्षेत्रवासियों ने कोरोना योद्धाओं का सामाजिक दूरी बनाकर फूल व रूपयों की मालायें पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तराखंड श्रम कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी पूनम कंडारी ने कहा है कि कोरोना वारियर जिन्होंने कोरोनो वायरस कोविड 19 संक्रमण काल की इस महामारी से निरंतर कूड़ा ले जाने का कार्य किया है ऐसे कोरोना वॉरियर का सम्मान किया जाना उचित था और इसके लिए क्षेत्रवायिों ने कोरोना वारियर्स का सम्मान किया।

क्यूआरटी व सीपीयू ने दुपहिया वाहन चालकों के जमकर काटे चालान

संवाददाता देहरादून। विश्वभर में फैले कोरोना वायरस के बचाव को लेकर किये गये उत्तराखंड लॉकडाउन के चलते राजधानी के प्रमुख चौराहों पर क्यूआरटी व सीपीयू के जवानों ने दुपहिया वाहन चालकों के जमकर चालान काटे। इस अवसर पर अलग अलग स्थानों पर क्यूआरटी एवं सीपीयू जवानों का कहना था कि लॉकडाउन के चलते हुए दुपहिया वाहन पर केवल एक ही व्यक्ति आ जा सकता है दो व्यक्तियों का बैठना पूरी तरह से प्रतिबंधित है लेकिन इसके बावजूद भी लोग दुपहिया वाहनों में दो सवारियों के साथ आ रहे हैं।

और जब धरने पर बैठते ही उठा ले गई पुलिस

संवाददाता देहरादून। लॉकडाउन के बावजूद भी पूरे राज्य में शराब की दुकानों पर अनियन्त्रित भीड़ व भविष्य में संक्रमण बढ़ने से चिंतित उत्तराखंड संवैधानिक अधिकार संरक्षण मंच के संयोजक व एक अन्य सहयोगी प्रवासियों को उत्तराखंड लाये जान की मांग को लेकर मौन उपवास पर गांधी पार्क में बैठे। इस बीच वह धरने से नहीं उठे और बैठे रहे। बाद में पुलिस ने जबरन उठाकर दोनों को पुलिस लाइन ले गई।

प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था करने की मांग

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति जनजाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक राजकुमार ने उत्तराखंड और अन्य राज्यों में फंसे प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेनों की शीघ्र व्यवस्था किये जाने की मांग केन्द्रीय रेल मंत्री से की है इसके लिए उन्होंने दून उत्तर रेलवे के निदेशक के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया है। यहां जारी एक बयान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति जनजाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा है कि केन्द्रीय रेल मंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान समय में कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण के चलते किये गये लॉकडाउन की वजह से बड़ी संख्या में जहाँ उत्तराखण्ड के प्रवासी लोगों के साथ ही मजदूर व अन्य विभिन्न लोग दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता, लखनऊ, बिहार, राजस्थान, हरियाणा एवं आदि राज्य मे फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरे राज्यो के भी मजदूर और अन्य लोग देहरादून तथा उत्तराखण्ड के अन्य हिस्सों में फंसे हुऐ है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन की अवधि बढ़ने के कारण खासकर गरीब और मजदूर वर्ग के पास खाने पाने का सामान खत्म हो गया है और जो धनराशि अब तक उनके पास थी वह भी खत्म हो गई है।

अब एक नयी चुनौती मुंह बाहे खड़ी है

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। लॉकडाउन के कारण विभिन्न राज्यों में फंसे प्रवासियों को वापस लाने का क्रम जारी है। दिल्ली, बेंगलूरू, गुजरात, सूरत, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, जोधपुर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, चंडीगढ़, जम्मू आदि अन्य शहरों में फंसे करीब 1.80 लाख लोगों ने घर वापसी के लिए पंजीकरण कराया हुआ है। लगभग 30 हजार लोगों को राज्य में लाया जा चुका है। एक से दूसरे जनपद में पहुंच रहे लोग इससे अलग हैं। यानी रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोगों का बाहरी राज्य से यहां या एक से दूसरे जनपद में आवागमन हो रहा है, लेकिन कोरोना के लिहाज से सरकारी मशीनरी ने सुरक्षा के इंतजाम

उत्तराखंड में बाहरी राज्यों से बढ़ी आमद, पर जांच का गिरा ग्राफ

दून में निजी लैब में भी कोरोना जांच की जा रही है

उस तरह पुख्ता नहीं किए हैं, जिसकी जरूरत थी। उल्टा अब जांच की रफ्तार भी फिर सुस्त पड़ गई है।

प्रदेश में कोरोना का पहला मामला 15 मार्च को सामने आया था। इस लिहाज से उत्तराखंड में कोरोना की दस्तक हुए आठ सप्ताह का वक्त बीच चुका है। इस बीच कोरोना के 68 मामले सामने आ चुके हैं। जबकि कैंसर का उपचार कराने दिल्ली गए एक बुजुर्ग भी कोरोना पॉजिटिव आने के बाद दून लौट आए।

अब एक नयी चुनौती मुंह बाहे खड़ी है। बाहरी राज्यों से जिन प्रवासियों को वापस लाया जा रहा है, उनकी एकाध जगह पर सिर्फ थर्मल स्क्रीनिंग ही की जा रही है। दावा ये कि कोरोना के लक्षण मिलने पर व्यक्ति को आइसोलेशन अथवा संस्थागत क्वारंटाइन में भेजा जा रहा है, जबकि अन्य को होम क्वारंटाइन की सलाह दी जा रही है। उस पर जांच का ग्राफ भी पिछले कुछ दिनों में नीचे गिर गया है। यह स्थिति तब है, जब चार सरकारी लैब में टेस्टिंग की सुविधा है।

वहीं, दून में निजी लैब में भी कोरोना जांच की जा रही है। जांच का विश्लेषण करें तो सातवें सप्ताह यानी 26 अप्रैल से 2 मई के बीच प्रदेश में कुल 2374 सैंपल की जांच की गई थी। पर बीते सप्ताह यह संख्या घटकर 1881 सैंपल पर आ गई। यानी 493 सैंपल या 21 फीसदी कम जांच। कोरोना के खिलाफ जहां जांच ही सबसे बड़ा हथियार है, जानकार भी वायरस के संक्रमण के लिहाज से इसको खतरनाक मानते हैं। सोशल डेवलपमेंट फॉर कम्युनिटीज फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष अनूप नौटियाल का कहना है कि ऐसे वक्त पर जब देशभर से सैकड़ों लोग उत्तराखंड लौट रहे हैं, जांच का दायरा बढ़ना चाहिए।

सीएम ने किया 'जज्बा' का विमोचन

विमोचन

■ जुबिन नौटियाल हैं सिंगर, एसपी क्राइम ने लिखे हैं गीत के बोल

देहरादून। **संवाददाता**

सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कोरोना वायरस से बचाव को लेकर आमजन को जागरूक करने के लिए बनाए गए गीत जज्बा का विमोचन किया है। इस गीत के बोल एसपी क्राइम देहरादून लोकजीत सिंह ने लिखे हैं और इन्हें फेमस सिंगर जुबिन नौटियाल ने गया है।

कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर उत्तराखंड सरकार के साथ

ही पुलिस–प्रशासन भी लगातार कोशिशों में जुटी है। इसके पुलिस लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जारूक करने के साथ ही जरूरतमंदों की हरसंभव मदद कर रही है। अब पुलिस ने लोगों को जागरूक करने के लिए एक अलग तरीका निकाला है। इसके लिए एक गीत बनाया गया है, गीत में प्रत्येक पुलिसकर्मी की फर्ज के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाया गया है।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में एसपी क्राइम देहरादून लोकजीत सिंह के लिखे गीत जज्बा का विमोचन किया। यह गीत प्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने गाया है, जबकि अक्षय और राहुल इस गीत के एडिटर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस इस कठिन समय में अपनी ड्यूटी के साथ ही समाज सेवा भी पूरे मनोयोग से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के इस संकट के समय में पुलिस, स्वास्थ्य और सफाई कर्मी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

रोडवेज चालकों व परिचालकों को पीपीई किट प्रदान करे परिवहन मंत्रालय

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड 19 की जंग में अनेक राज्यों मे फंसे प्रवासियों को उनके जनपदों मे पहुंचाने वाले रोडवेज में कार्यरत चालकों व परिचालकों को उनकी सुरक्षा के लिए पीपीई किट परिवहन मंत्रालय को प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए त्वरित कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। यहां जारी एक बयान में उतराखणड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व संयोजक मोहन कुमार काला ने परिवहन मंत्रालय भारत सरकार से परिवहन विभाग मे कार्यरत चालकों और परिचालकों को पीपीई किट प्रदान कराये जाने की मांग की है। काला ने कहा है कि सरकार को उचित कदम उठाने हुए रोडवेज मे कार्यरत चालकों ओर परिचालकों को पीपीई किट प्रदान की जानी चाहिए जिससे उनकी जान माल सुरक्षा हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।